

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय
उत्तरांचल देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून : दिनांक 13 दिसम्बर, 2005

विषय :- संस्कृति निदेशालय उत्तरांचल देहरादून हेतु गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद की मद में पुनर्विनियोग की स्वीकृति के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संस्कृति निदेशालय के पत्र संख्या-678/सं0नि030/दो-3/2005-06 दिनांक- 5, सितम्बर 2005, के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय रुपये 50.00 हजार (रुपये पचास हजार मात्र) को पुनर्विनियोग के माध्यम से आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किए गए शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन आगोजनेत्तर-03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00-15-मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद मानक मद के नामे डाला जायेगा।

5. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0पत्र सं0- 08/वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3/2005, दिनांक- 12 दिसम्बर, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या— /VI-I/2005, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी
4. जिलाधिकारी, पौड़ी।
5. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन
6. बजट राजकोषीय अधिकारी उत्तरांचल शासन, देहरादून।
7. एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
8. क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी पौड़ी।
9. आयुक्त कुमायू/गढ़वाल मण्डल उत्तरांचल
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

प्रशासनिक विभाग-संस्कृति विभाग उत्तरांचल शासन
देहरादून, दिनांक

नियंत्रक अधिकारी- निदेशक, संस्कृति निदेशालय

आयोजनोत्तर
(धनराशि हजार रुपये में)

अनुदान संख्या-011

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष आवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुर्नविनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्नविनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष कुल धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
2205-कला एवं संस्कृति-00 103 पुरातत्व विज्ञान 03-पुरातत्व अधिष्ठान-00 15-मोटर गाड़ियों का अनुक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद -100	5	45	50	2205- कला एवं संस्कृति-00 001- निदेशन तथा प्रशासन 03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय -00 15-मोटर गाड़ियों का अनुक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद 50	130	50	वर्तमान समय में 15 मोटर गाड़ियों का अनुक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद मद के अन्तर्गत 03 सांस्कृतिक याहनों का संचालन किया जा रहा है। बावजू वित्तीय वर्ष में आवंटित धनराशि के पूर्ण उपयोग हो जाने के फलस्वरूप आगामी पांच माह के लिए पुर्नविनियोग की माह्यम से रु० 50.00 हजार मात्र अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है।
योग-	5	45	50	50	130	50	

प्रमाणित किया जाता है कि पुर्नविनियोग से बजट मैनुअल के चरिच्छेद 150,151,155,156 में प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।



(अभिजित श्रीवास्तव)
अपर सचिव